

..... बनाम
 भोवारा राम बाबूलाल
 किस्म मुकदमा 223 मु. नं० 90 वर्ष 2017

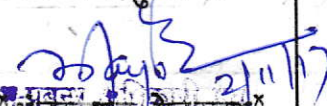
दिनांक	आज्ञा पत्र
--------	------------

2-11-17



अपील दर्ज रजिस्टर हो । स्थगन प्रार्थना पत्र पर वकील अपीलान्ट को सुना गया । वकील अपीलान्ट ने बहस में कथन किया कि अदालतों मातहत में भूमि खसरा नं० 568, 569, 573, 574, 579 से 581, 586 कुल कित्ता-8 रकबा 5.18 हैक्टर वाले ग्राम कुली के सम्बन्ध में अपीलान्ट ने एक दावा बटवारा का पेशा किया । दौराने दावा प्रतिवादी सं०-5 व 6 ने एक प्रार्थना पत्र पेशा कर पक्षकार बनने का निवेदन किया । जिस पर उन्हें पक्षकार बनाया गया। पक्षकार बनाने के बाद दावा उनके जबाब दावा में चलता रहा । जबाब दावा भी नहीं आया । रेस्पोंडेन्ट संख्या-5 व 6 ने दौराने दावा आराजी का क्रय किया । जिसका रेकार्ड में अमल कराने के लिये सरपंच ग्राम पंचायत अथवा तहसीलदार के यहां कार्यवाही करनी चाहिये थी किन्तु अदालत मातहत ने बिना किसी विधिक अधिकार के बिना कोई काउण्टर वाद रहते रेस्पोंडेन्ट संख्या-5 व 6 के हक में नामान्तरकरण तस्दीक कर राजस्व रेकार्ड में अमल दरामद का आदेशा विधि विरुद्ध पारित किया है । जिसके आधार पर रेस्पोंडेन्ट अपीलान्ट को उक्त आराजी में बेदखल करने पर आमादा है । अतः अदालत मातहत के आदेशा की क्रियान्विति को स्थगित किया जाकर रेकार्ड एवं मौके की यथास्थिति का आदेशा दिया जावे।

बहस बगौर समाहत की गई । प्रार्थना पत्र, अदालत मातहत के निर्णय का एवं बहस का अवलोकन किया गया । अदालत मातहत ने अपने निर्णय में रेस्पोंड सं०-5 व 6 द्वारा रेस्पोंडेन्ट संख्या-1 व 2 का सम्पूर्ण हिस्सा क्रय करना बताकर विक्रय पत्र दिनांक 10-12-14 के आधार पर नामान्तरकरण की स्वीकृति होकर

दिनांक	आज्ञा पत्र	
	<p>अदालत मातहत का विधि के विपरित है। इस सम्बन्ध में रेस्पोंडेन्ट सं०-5 व 6 का कोई काउण्टर दावा नहीं है इसके बाद भी अदालत मातहत ने यह सहायता अपने क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर दी है। जिसको हम यथावत रखा जाना उचित नहीं मानते बल्कि प्रकरण को इसी स्तर पर अदालत मातहत को प्रतिशेषित कर पुनः निर्णय हेतु भिजवाया जाना विधिक मानते हैं। जिसमें दोनों पक्षों को विधिवत सुनकर विधिप्रक्रिया अपनाते हुये अपना निर्णय पुनः पारित करें।</p> <p>अतः उपरोक्त विवेचन के परिप्रेक्ष्य में अपील को इसी स्टेज पर स्वीकार कर अदालत मातहत का निर्णय एवं डिक्री दिनांक 25-9-17 खारिज किया जाकर इस निर्देश के साथ रिमाण्ड किया जाता है कि दोनों पक्षों को सुनकर अपना निर्णय पुनः विधिनुसार पारित करें। पक्षकार अदालत मातहत में दिनांक 23-11-2017 को उपस्थित होंगे। निर्णय सुनाया गया।</p> <p style="text-align: right;">  पदेन राजस्व अपील अधिकारी भू-प्रबन्ध अधिकारी एवं सिकर </p>	